भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4260

गुरुवार, 18 जुलाई, 2019/27 आषाढ़, 1941 (शक)

पहुँच-मार्गों का विकास

4260. डॉ॰ जयंत कुमार रायः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देशभर के उन अल्प विकसित क्षेत्रों, जिन तक पहुँच कठिन है, तक पहुँच-मार्गों के विकास के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार ने उत्तरी बंगाल के सभी छोटे शहरों और गांवों को बड़े व्यापार केन्द्रों से जोड़ने की एक योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) राष्ट्रीय राजमार्ग सं॰ 34 परियोजना की प्रगति की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) राष्ट्रीय राजमार्ग सं॰ 34 पर कार्य कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत, पिछड़े, धार्मिक और पर्यटन स्थानों को जोड़ने के लिए 5067 किलोमीटर लंबाई की सड़कों की पहचान की गयी है। इन परियोजनाओं को उपलब्ध संसाधन और राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) की तुलनात्मक प्राथमिकता के अनुसार विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों जैसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), राज्य पीडब्ल्यूडी और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के माध्यम से क्रियान्वित किए जाने का इरादा है।

(ख) मंत्रालय को राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से उत्तरी बंगाल के सभी छोटे शहरों और गॉवों को मुख्य व्यापारिक केंद्रों से जोड़ने का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। तथापि, यथा आकलित 2440 करोड़ रुपये की प्राक्कलित लागत पर 136 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का सुधार कार्य प्रगति पर है और उत्तरी बंगाल में 29.41 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग को 4 लेन में परिवर्तित करने का कार्य वर्ष 2019-20 में शुरू किया जाना है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में 686 किमी लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्ग में सुधार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी शुरू की गयी है।

(ग) एवं (घ) वर्तमान में, रारा 34 पर 345.4 किमी की कुल लंबाई की 7 परियोजनाओं का कार्य चल रहा है और इन सभी परियोजनाओं को दिसंबर 2021 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

****